GOVT. DEGREE COLLEGE BISHNAH
DEPTT. OF HIGHER EDUCATION, JAMMU AND KASHMIR (UT)
Organises
National Webinar on 13th of April 2022, on
Scope of Indian Music in the field of performing arts
Ragini Rainu - India's young Sufi Diva
Ragini Rainu, Sufi Singer

Ragini Rainu - India's young Sufi Diva
Music is a Message of Truth, Peace and Love
EVE'S TIMES
For the Love of God
Gita - A Way of Life
God's on Sale
Ordeals of Temple Visits
Why postpone babies?
Say No to Back Pain
World Food Trail: Thai Food

Ragini Rainu - India's young Sufi Diva

Ragini Rainu, the young Sufi songstress of India, is the disciple of the Legendary Santoor Maestro and Music Composer Pandit Bhajan Sopori. With a strong base of classical gayaki (vocal system), her style is embedded with tayari (fluency) and bhava (aesthetics and expressions).

Hailing from Jammu (J&K), Ragini was born in 1982 and represents the Sufiana Gharana (musical family) of Kashmir, and sings primarily the structured Sufi Ang (style) and also the Ghazal & poetic Kafi genres. With her individualistic style and a rich repertoire of compositions from her Guru, she is the rightful heir to the legacy of Sufi music and is India's young Sufi Diva.

Ragini has been honoured with various awards including the prestigious 'Global Punjabi Award– 2014' by Dr. Manmohan Singh, former Prime Minister of India, 'SaMaPa Yuva Ratan Samman – 2013' by Music legend Pt. Bhajan Sopori, 'J&K Dogri Award – 2008' by the Governor of Jammu & Kashmir, and 'Sur Shree Award – 2006' by legendary vocalist Pt. Tejpal Singh, amongst others.

She was honoured with the 'Radio 92.7 Big FM Award - 2011' for her contribution to music and singing one of the most popular Dogri songs of the recent times.

On 13TH April 2021 at 11:00 AM
Meeting Code: hph-hjxi-eii
To join the meeting on Google Meet, click this link:
http://meet.google.com/hph-hjxi-eii

REGISTRATION LINK:
Interested Participants can register online on assessing the link provided below:
https://forms.gle/dtPvCLNCpvTS3F629

PROGRAMME
11:00 AM (SESSION 1): *Lecture Cum Demonstration/Performance*
01:00 PM (SESSION 2): *Interaction With Participants*

ORGANISING COMMITTEE

Dr. Asha Singh
Coordinator
Career Counselling Cell,
GDC Bishnah
asha.esju@gmail.com

Shivani Raina
Assistant Professor
Department of Music,
GDC Bishnah
shivaniraina538@gmail.com

PATRON

Dr. Anuradha Pandoh
Principal,
GDC Bishnah

ADVISORY: *IQAC Committee (GDC Bishnah)*

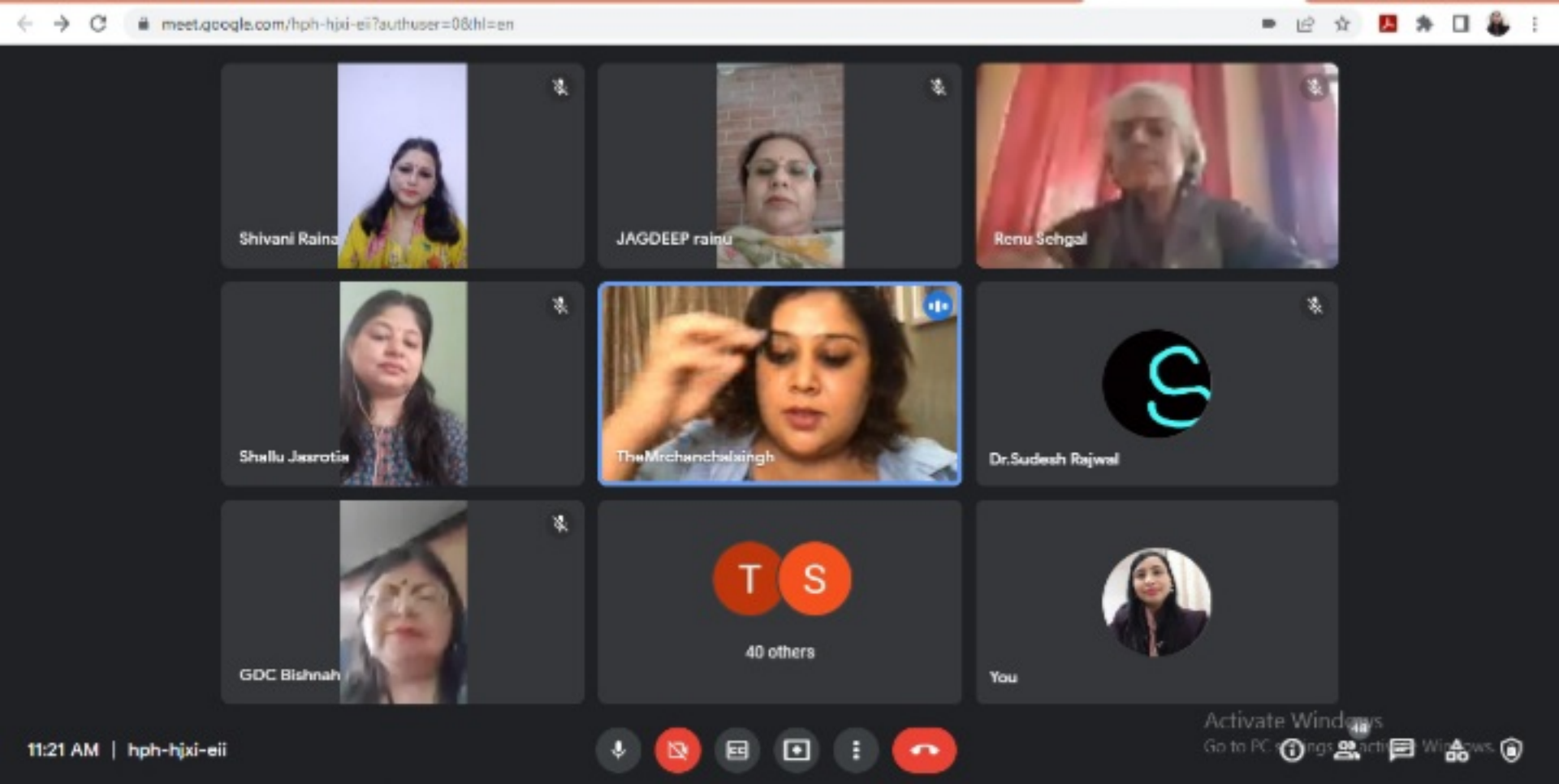

meet.google.com/hph-hjxi-eii?authuser=0&hl=en
Shivani Raina
JAGDEEP rainu
Renu Sehgal
Shallu Jasrotia
TheMrchanchalsingh
Dr.Sudesh Rajwal
GDC Bishnah
T
S
40 others
You
11:21 AM | hph-hjxi-eii
Activate Windows

You
13 April, 2:35 pm
TheMrchanchalsi...
Shivani
Renu
asha
GDC
Akshay
You
JAGDEEP
23 others

संगीत विभाग के सहयोग से गवर्नमैंट डिग्री कालेज बिश्नाह में करवाया कार्यक्रम

जीडीसी बिश्नाह ने प्रदर्शन कला के क्षेत्र में भारतीय संगीत का दायरा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

बिश्नाह, 27 अप्रैल (नंद शर्मा) : संगीत विभाग के सहयोग से गवर्नमैंट डिग्री कालेज बिश्नाह जम्मू के करियर काऊंसलिंग सैल द्वारा प्रदर्शन कला के क्षेत्र में भारतीय संगीत का दायरा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। युवा सूफी दिवा कार्यक्र म की मुख्य वक्ता होने के साथ-साथ प्रस्तुतकर्त्ता भी थीं। इस वैबिनार का संचालन प्रिंसीपल जीडीसी बिश्नाह, डा. अनुराधा पंडोह की देखरेख में किया गया और पूरे कार्यक्र म का संचालन डा. आशा सिंह, समन्वयक, करियर काऊंसलिंग सैल और प्रो. शिवानी रैना, प्रमुख, संगीत विभाग, जीडीसी बिश्नाह ने किया। रागिनी रेनू, भारत की युवा सूफी दिवा, महान उस्ताद, पंडित भजन सोपोरी की शिष्या हैं, वह जम्मू (जम्मू-कश्मीर) की रहने वाली हैं और संगीत परिवार, सूफियाना घराना का प्रतिनिधित्व करती हैं। वैबिनार दो सत्रों में आयोजित किया गया था। पहले सत्र के दौरान रागिनी रैनू ने सूफी घराना, आधुनिक कला, शास्त्रीय कला के बारे में अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया और छात्रों को प्रदर्शन कला के क्षेत्र में सफल करियर के लिए शास्त्रीय संगीत सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने भारतीय संगीत से संबंधित विभिन्न संस्थाओं और संगठनों का भी जिक्रकिया। सत्र के दौरान उनकी गायन शैली ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने सूफी संत भुल्ले शाह गजल का कलाम इश्क में गैरत-ए-जज्बात ने रोने न दिया भी प्रस्तुत किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी शैली प्रवाह, सौंदर्यशास्त्र और अभिव्यक्ति के साथ अंतर्निहित थी। दूसरे सत्र में आमंत्रित वक्ता का प्रतिभागियों के साथ संवाद हुआ, जहां प्रतिभागियों के सभी प्रश्नों का सहजता से समाधान किया गया। कॉलेज की प्रिंसीपल और प्रोग्राम चेयर डा. अनुराधा पंडोह ने अपने बहुमूल्य ज्ञान को साझा करने के लिए रिसोर्सपर्सन का आभार व्यक्त किया जो निश्चित रूप से छात्रों को संगीत के क्षेत्र में अपना करियर बनाने में मदद करेगा। उन्होंने अपने आकर्षक प्रदर्शन के लिए संसाधन व्यक्ति की भी प्रशंसा की। अंत में संगीत विभाग की प्रमुख प्रो. शिवानी रैना ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

'प्रदर्शन कला के क्षेत्र में भारतीय संगीत का दायरा' विषय पर सैमीनार आयोजित

'इश्क में गैरत-ए-जज्बात ने रोने न दिया' ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

बिश्नाह, 27 अप्रैल (काटल): गवर्नमैंट डिग्री कालेज बिश्नाह में जम्मू के करियर काउंसलिंग सैल द्वारा 'प्रदर्शन कला के क्षेत्र में भारतीय संगीत का दायरा' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सैमीनार का आयोजन किया गया। इस सैमीनार में युवा सूफी दिवा कार्यक्रम की मुख्य वक्ता होने के साथ-साथ प्रस्तुतकर्ता भी थीं।

इस सैमीनार का संचालन प्रिंसीपल जी.डी.सी. बिश्नाह डा. अनुराधा पंडोह की देखरेख में किया गया और पूरे कार्यक्रम का संचालन डा. आशा सिंह समन्वयक करियर काउंसलिंग सैल तथा प्रो. शिवानी रैना प्रमुख संगीत विभाग जी.डी.सी. बिश्नाह ने किया।

रागिनी रैनू भारत की युवा सूफी दिवा, महान उस्ताद, पंडित भजन सोपोरी जम्मू की रहने वाली हैं और संगीत परिवार, सूफियाना घराना का प्रतिनिधित्व करती हैं। सैमीनार दो सत्रों में आयोजित किया गया था। पहले सत्र के दौरान रागिनी रैनू ने सूफी घराना, आधुनिक कला,

राष्ट्रीय सैमीनार के दृश्य। (काटल)

शास्त्रीय कला के बारे में अपने ज्ञान और अनुभव को सांझा किया तथा छात्रों को प्रदर्शन कला के क्षेत्र में सफल करियर के लिए शास्त्रीय संगीत सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने भारतीय संगीत से संबंधित विभिन्न संस्थाओं और संगठनों का भी जिक्र किया। सत्र के दौरान उनकी गायनशैली ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने सूफी संत भुल्ले शाह गजल का कलाम 'इश्क में गैरत-ए-जज्बात ने रोने न दिया' भी किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी शैली प्रवाह, सौंदर्यशास्त्र और अभिव्यक्ति के साथ अंतर्निहित थी। दूसरे सत्र में आमंत्रित वक्ता का प्रतिभागियों के साथ संवाद हुआ, जहां प्रतिभागियों के सभी प्रश्नों का सहजता से समाधान किया गया।

कालेज प्रिंसीपल डा. अनुराधा पंडोह ने अपने बहुमूल्य ज्ञान को सांझा करने के लिए रिसोर्सपर्सन का आभार व्यक्त किया जो निश्चित रूप से छात्रों को संगीत के क्षेत्र में अपना करियर बनाने में मदद करेगा। उन्होंने अपने आकर्षक प्रदर्शन के लिए संसाधन व्यक्ति की भी प्रशंसा की। अंत में संगीत विभाग की प्रमुख प्रो. शिवानी रैना ने धन्यवाद ज्ञापित किया।